Vikas Parakh-January-20.qxd 1/1/2020 9:40 AM Page 1

www.vikasparakh.com

छत्तीसगढ़ विषयक मासिक पत्रिका

विकास परख

● वर्ष- 5, ● अंक- 09 ● रायपुर, 1 जनवरी 2020 ● मूल्य -30 रुपए ● पृष्ठ- 32

विषय क्रम

» छग मड़ई-मेला

» छत्तीसगढ़ आभूषण

» छत्तीसगढ़ विभूति

» राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव-2019

प्रारंभिक परीक्षा को ध्यान रखते हुए जनवरी एवं फरवरी माह में निबंध प्रकाशित नहीं किए जा रहे हैं।

मानव विकास सूचकांक भारत 129वां स्थान पर

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के मुताबिक साल 2019 में मानव विकास सूचकांक (Human Development INde&) के मामले में भारत की HDI के मामले में 189 देशों के बीच रैंकिंग 129 हो गई है. पिछले साल भारत इसमें 130 वें नम्बर पर था.

रिपोर्ट बताती है कि भारत में अभी भी 36.4 करोड़ गरीब रह रहे हैं, जो कुल दुनिया के गरीबों की आबादी का 28 फीसदी है। दुनिया भर में गरीबों की संख्या 130 करोड़ है। 1990 से 2018 के दौरान भारत में मानव विकास सूचकांक मूल्यों में लगभग 50 फीसदी की वृद्धि हुई है। पिछले तीन दशकों में भारत में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा में 11.6 वर्ष की वृद्धि हुई, जबकि स्कूली शिक्षा की औसत संख्या में 3.5 वर्ष की वृद्धि हुई और प्रति व्यक्ति आय 250 गुना बढ़ गई। लिंग विकास सूचकांक के मामले में भारत की स्थिति दक्षिण एशियाई औसत से केवल मामूली बेहतर है। 2018 में लिंग असमानता सूचकांक में भारत का नंबर 162 देशों की सूची में 122वां था।

क्या है मानव विकास सूचकांक?

मानव विकास सूचकांक को अर्थशास्त्री महबूब-उल-हक ने तैयार किया था. पहला मानव विकास सूचकांक साल 1990 में जारी किया गया था. तब से हर साल संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा इसे प्रकाशित करता है.

मुख्य बिंदु

- HDR-2019 में 0.954 HDI मूल्य के साथ नॉर्वे इस सूचकांक में प्रथम स्थान पर है।

ज्ञातव्य है कि संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा वर्ष 2010 से मानव विकास रिपोर्ट हेतु NDP द्वारा HDI की गणना में नई प्रविधि का प्रयोग किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 3 संकेतक शामिल हैं-

(i) जीवन प्रत्याशा सूचकांक (LEI)
(ii) शिक्षा सूचकांक (EI)।
(iii) आय सूचकांक (II)।

जनरल रावत पहले सीडीएस नियुक्त

सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत को देश का पहला चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किया गया है। जनरल रावत का सीडएस के तौर पर कार्यकाल 31 दिसंबर से शुरू होगा और वह अगले आदेश तक इस पद पर रहेंगे। मंत्रिमंडल ने रक्षा मंत्रालय में सैन्य मामलों के एक नये विभाग के गठन को भी मंजूरी दी थी। सीडीएस इस विभाग के प्रमुख तथा सचिव होंगे। सीडीएस के पद पर नियुक्त होने वाला अधिकारी चार स्टार के रैंक वाला जनरल होगा। उनका वेतन तीनों सेनाओं के प्रमुखों के समान होगा। वह सरकार को रक्षा मामलों में सलाह देने वाला बड़ा अधिकारी होगा। सीडीएस सैन्य मामलों के विभाग के प्रमुख के साथ साथ सेना प्रमुखों की स्टाफ समिति का स्थायी अध्यक्ष भी होगा। सीडीएस की अध्यक्षता वाला सैन्य मामलों का विभाग तीनों सेनाओं के साथ साथ रक्षा मंत्रालय के एकीकृत मुख्यालय के मामले देखेगा जिसमें सेना मुख्यालय, नौसेना मुख्यालय, वायु सेना मुख्यालय और रक्षा स्टाफ मुख्यालय शामिल हैं। तीनों सेनाओं के मामलों के बारे में सीडीएस रक्षा मंत्री के प्रधान सैन्य सलाहकार भी होंगे।

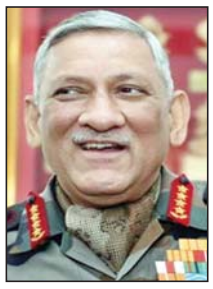

CGPSC-2019
प्रारंभिक परीक्षा के लिए विशेष सामग्री
वार्षिकी 2020 उपलब्ध

छत्तीसगढ़ को पांचवी बार कृषि कर्मण पुरस्कार

भारत सरकार कृषि मंत्रालय द्वारा कृषि के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों को दिया जाने वाला कृषि कर्मण पुरस्कार हेतु छत्तीसगढ़ को एक बार फिर चयनित किया गया है। छत्तीसगढ़ में वर्ष 2016-17 में कुल खाद्यान्न उत्पादन श्रेणी-2 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए यह पुरस्कार दिया जाएगा।

बेहतर कृषि तकनीक को देखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य को इस बार राजस्थान व महाराष्ट्र के साथ संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इस पुरस्कार के साथ राज्य को कृषि मंत्रालय पांच करोड़ रुपये भी प्रदान करेगा। कृषि कर्मण पुरस्कार इससे पहले भी राज्य को मिल चुका है।

- छत्तीसगढ़ को केन्द्र सरकार से पहला कृषि कर्मण पुरस्कार 16 जुलाई 2011 को मिला था। उस समय मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के हाथों इसे ग्रहण किया था।
- दूसरी बार 10 फरवरी 2014 को राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के हाथों नई दिल्ली में
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हाथों राजस्थान के श्रीगंगानगर में आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने राज्य के लिए यह पुरस्कार ग्रहण किया था।
- प्रथम तीन कृषि कर्मण पुरस्कार चावल उत्पादन के लिए प्राप्त हुए थे।
- वर्ष 2014-15 के रिकार्ड दलहन उत्पादन के लिए डॉ. रमन सिंह ने प्रधानमंत्री के हाथों दो करोड़ रूपए का यह पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र ग्रहण किया था।

संपर्क सूत्र- 7587776754 E-mail-mail.vikasparakh@gmail.com

Vikas Parakh-January-20.qxd 1/1/2020 9:40 AM Page 2

संपादकीय

नए साल की उम्मीदें

वर्ष 2019 बीत गया। बीते वर्ष देश और खासकर छत्तीसगढ़ साल भर चुनाव के दौर में रहा। वर्ष 2018 के बीतते-बीतते प्रदेश में भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की नई सरकार बनी। भाजपा के 15 वर्ष के शासन के बाद नई सरकार के कामकाज, नीतियां और कार्यक्रमों के तौर-तरीके बदल गए। देश में लोकसभा का चुनाव हुआ और जनता ने एक बार फिर तमाम आशंकाओं को दरकिनार करते हुए नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली एनडीए को पूर्ण बहुमत देकर मजबूत सरकार के गठन का आदेश दिया। भारतीय नता पार्टी अपने बूते 300 से अधिक सीटें जीतने में कामयाब रही। इसके बाद महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा जैसे राज्यों में चुनाव होते रहें। प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव हाल में सम्पन्न हुआ, अभी बदली पद्धति के अनुसार पार्षदों के द्वारा महापौर के चुनाव विभिन्न नगर निगमों में करना शेष है। ऐसी स्थिति में जब माहौल राजनैतिक हो तो समाज भी राजनीति में रम जाता है। युवा वर्ग भविष्य का शासक है, इसलिए उनका मन भी राजनीति के क्षेत्र में ज्यादा लगता है। लेकिन अब राजनैतिक सरगर्मियां शांत होने को हैं। अगले चार वर्षों तक देश और राज्य में मजबूत सरकार अपना काम करेगी। सरकार के अच्छे कामकाज के लिए योग्य प्रशासकों की आवश्यकता होती है लेकिन देश और राज्य की उन्नति के लिए जागरूक, ऊर्जावान और जोखिम लेने वाला युवा की आवश्यकता है।

देश में आर्थिक विकास की दर कमजोर है। इसके पीछे बड़ी वजह देश के अंदर में औद्योगिक उत्पादन में गिरावट है, जबतक उद्योग मजबूत नहीं होंगे तब तक देश के नौजवानों को रोजगार के बेहतर अवसर नहीं मिलेंगे। अर्थव्यवस्था की प्रगति इस बात पर निर्भर नहीं करती है कि बड़े औद्योगिक घराने कितने सम्पन्न हो रहे हैं। बल्कि इस बात पर निर्भर करती है कि छोटे-छोटे उद्यम लगाकर स्थानीय स्तर पर लोग अपना जीवनयापन चला पाते हैं या नहीं। छोटे उद्यम से ही अधिक रोजगार के अवसर पैदा होते हैं, इसलिए केंद्र सरकार लगातार मुद्रा योजना या स्टार्ट-अप, स्टैण्ड-अप के माध्यम से देश के युवाओं को अपना रोजगार स्वयं खड़ा करने की दिशा में काम कर रही हैं। जो युवा देश की प्रशासनिक सेवा में जाकर समाज का भला करना चाहते हैं वे अपनी योग्यता और साम्र्थ्य के अनुसार अपना निर्णय करें, किंतु जो युवा सरकारी या निजी नौकरी की आस में बैठे हैं, उन्हें अपना उद्यम शुरु करने पर विचार करना चाहिए। नए साल में नई सोच लेकर रोजगार पाने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनें, यही नए साल की बड़ी उम्मीदें हैं। ***शुभकामनाएं...***

बैगा जनजाति के लोक नृत्य

छत्तीसगढ़ राज्य की 5 विशेष पिछड़ी जनजातियों में से एक बैगा जनजाति है। बैगा जनजाति अपने ईष्ट देव की स्तुति, तीज-त्यौहार, उत्सव एवं मनोरंजन की दृष्टि से विभिन्न लोकगीत एवं नृत्य का गायन समूह में करते हैं। इनके लोकगीत और नृत्य में करमा, रीना-सैला, ददरिया, बिहाव, फाग आदि प्रमुख हैं।

'रीना सैला नृत्य'

बैगा जनजाति की माताएं अपने छोटे शिशु को सिखाने एवं वात्सल्य के रूप में रीना का गायन करती हैं। वेशभूषा महिलाएं सफेद रंग की साड़ी धारण करती हैं। गले में सुता-माला, कान में ढार, बांह में नागमोरी, हाथ में चूड़ी, पैर में कांसे का चूड़ा एवं ककनी, बनुरिया से श्रंगार करती हैं। वाद्य यंत्रों में ढोल, टीमकी, बांसुरी, ठीसकी, पैजना आदि का प्रयोग किया जाता है। सैला बैगा जनजाति के पुरूषों के द्वारा सैला नृत्य शैला ईष्ट देव एवं पूर्वज देव जैसे-करमदेव, ग्राम देव, ठाकुर देव, धरती माता तथा कुल देव नांगा बैगा, बैगीन को सुमिरन कर अपने फसलों के पक जाने पर धन्यवाद स्वरूप अपने परिवार के सुख-समृद्धि की स्थिति का एक दूसरे को शैला गीत एवं नृत्य के माध्यम से बताने का प्रयास किया जाता है। इनकी वेशभूषा पुरूष धोती, कुरता, जॉकेट, पगड़ी, पैर में पैजना, गले में रंगबिरंगी सूता माला धारण करते है। वाद्य यंत्रों में मांदर,ढोल, टीमकी, बांसुरी, पैजना आदि का प्रमुख रूप से उपयोग करते हैं। बोली बैगा जनजाति द्वारा रीना एवं शैला का गायन स्वयं की बैगानी बोली में किया जाता है। यह नृत्य प्राय: क्वार से कार्तिक माह के बीच मनाए जाने वाले उत्सवों, त्यौहारों में किया जाता है।

'दशहेरा करमा नृत्य'

बैगा जनजाति समुदाय द्वारा करमा नृत्य भादो पुन्नी से माधी पुन्नी के समय किया जाता है। इस समुदाय के पुरूष सदस्य अन्य ग्रामों में जाकर करमा नृत्य के लिए ग्राम के सदस्यों को आवाहन करते हैं। जिसके प्रतिउत्तर में उस ग्राम की महिलाएं श्रृंगार कर आती है। इसके बाद प्रश्नोत्तरी के रूप में करमा गायन एवं नृत्य किया जाता है। इसी प्रकार अन्य ग्राम से आमंत्रण आने पर भी बैगा स्त्री-पुरूष के दल द्वारा करमा किया जाता है। करमा रात्रि के समय ग्राम में एक निर्धारित खुला स्थान जिस खरना कहा जाता है में अलाव जलाकर सभी आयु के स्त्री, पुरूष एवं बच्चे नृत्य करते हुए करते है। अपने सुख-दु:ख को एक-दूसरे को प्रश्न एवं उत्तर के रूप में गीत एवं नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत करते है।

करमा नृत्य के माध्यम से बैगा जनजाति में परस्पर सामन्जस्य, सुख-दु:ख के लेन देन के साथ ही नव युवक-युवतियां भी आपस में परिचय प्राप्त करते है। इस नृत्य में महिला सदस्यों द्वारा विशेष श्रृंगार किया जाता है। जिसमें यह चरखाना (खादी) का प्राय: लाल एवं सफेद रंग का लुगड़ा, लाल रंग की ब्लाउज, सिर पर मोर पंख की कलगी, कानों में ढार, गले में सुता-माला, बांह में नागमोरी, कलाई में रंगीन चूड़िया एवं पैरों में पाजनी और विशेष रूप से सिर के बाल से कमर के नीचे तक बीरन घास की बनी लड़ियां धारण करती हैं, जिससे इनका सौंदर्य एवं श्रृंगार देखते ही बनता है। पुरूष वर्ग भी श्रृंगार के रूप में सफेद रंग की धोती, कुरता, काले रंग की कोट, जाकेट, सिर पर मोर पंख लगी पगड़ी और गले में आवश्यकतानुसार माला धारण करते हैं। वाद्य यंत्रों में मांदर, टिमकी, ढोल, बांसुरी, ठिचकी, पैजना आदि का उपयोग किया जाता है।

ललित चतुर्वेदी

विकास परख वार्षिक सदस्यता योजना

शुल्क एक वर्ष : 300+ 50 रूपए डाक व्यय = 350 रूपए

कृपया सदस्यता शुक्ल नकद/ मनी ऑर्डर/बैंक ड्राफ्ट द्वारा या नेट बैंकिंग से विकास परख के नाम से एकाउंट नंबर (A/C. 496801010036892, IFS-Code-UBIN 0549681) में नेट बैंकिंग/मनी आर्डर/बैंक ड्राफ्ट/नगद के माध्यम से जमा कर रसीद को प्रमाण के रुप में **व्हाट्अप नं. 7587776754** में भेजें।

कृपया अपना पता भेजें :
नाम-
पता-
मकान नं.- गली नं-
पोस्ट/तहसील-
जिला- राज्य-
पिन कोड -फोन नं.-
प्रमाण हेतु मनी आर्डर/ बैंक ड्राफ्ट की फोटो प्रति

नोट: **वार्षिक सदस्यता योजना दुरस्थ इलाकों में रहने वाले प्रतियोगियों की सहायता के उद्देश्य से अतिरिक्त समय निकालकर सावधानीपूर्वक की जाने वाली सेवा है। जो कि डाक विभाग द्वारा निर्धारित तिथि हर माह की 5 तारीख को निश्चित रुप से एक साथ सभी सदस्यों को पोस्ट कर दी जाती है। सदस्यों को पहुंचने में होने वाली देरी कोई तकनीकी त्रुटि या पोस्ट आफिस सेवा की चूक होती है। कृपया उक्त भाव को समझते हुए ही अपनी सदस्यता सुनिश्चित करें।**

सदस्यता तिथि समाप्त होने से पूर्व नवनीकरण करा लें ताकि निरंतरता बनी रहे।

विकास परख
द्वारा- गुरूकुल, 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर छ.ग. मो. 75877-76754

पत्रिका मिलने का स्थान

रायपुर
- रामचन्द्र बुक स्टॉल, पुराना बस स्टैण्ड
- कुशल बुक स्टॉल, पुराना बस स्टैण्ड
- अजय बुक डिपो, सदर बाजार
- सुरेश बुक डिपो, सदर बाजार
- महामाया बुक डिपो, काली बाड़ी चौक
- गुप्ता पुस्तक मंदिर
- अनिल बुक डिपो

राजनांदगांव
- अजय पुस्तक महल जयस्तंभ चौक
- भारती भंडार, भारत माता चौक
- गुप्ता बुक डिपो

डोंगरगांव
- जैन बुक स्टाल, पुराना बस स्टैण्ड

अंबिकापुर
- अंबिका बुक डिपो, उर्सु लाइन नवापारा

बिलासपुर
- एलोरा बुक डिपो, पुराना हाईकोर्ट रोड
- महामाया बुक डिपो, पुराना हाईकोर्ट रोड
- बुक च्वॉईस सेंटर, जीत टाकीज के पास
- देवांगन बुक डिपो, पुराना हाईकोर्ट
- नर्मदा बुक डिपो

धमतरी
- आदित्य बुक स्टाल, सिहावा चौक

महासमुंद
- अरिहंत बुक डिपो, अपना बाजार

दुर्ग
- खेमका बुक डिपो, दीपक नगर

जगदलपुर
- दंतेश्वरी बुक डिपो

पत्र भेजें

छत्तीसगढ़ आधारित प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रख के विकास परख का प्रकाशन किया जा रहा है। हमारा यह अंक आपको कैसा लगा? अथवा आप किस प्रकार की सामग्री विकास परख में शामिल करवाना चाहते हैं। इस संबंध में हमें mail.vikas-parakh@gmail.com पर पत्र भेजें अथवा आप 7587776754 पर मैसेज भी कर सकते हैं।

सूचना- प्रकाशित अंक में कोई त्रुटि होने पर कृपया मोबाइल नं. 7587776754 पर त्रुटि पृष्ठ का फोटो या संदेश व्हाट्अप अथवा एसएमस करें।

विकास परख
स्वत्वाधिकारी,मुद्रक एवं प्रकाशक-शत्रुघन प्रसाद शर्मा द्वारा मीडिया मिशन प्राईवेट लिमिटेड, प्रेस काम्प्लेक्स रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.), छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति आजाद चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित।
आरएनआई रजि. क्र.-
CHHHIN/2015/65135
Postal Regn No.C.G./RYP
DN/57/2016-18
फोन-7587776754
संपादक
डॉ. स्मिता शर्मा
सहयोगी
● श्वेता दीवान ● निवेदिता बैस
आकल्पन एवं कला संयोजन
मीना निब्रड एवं कृष्णा वर्मा

Vikas Parakh-January-20.qxd 1/1/2020 9:41 AM Page 4

व्यक्तित्व

आर.बी.पी. सिन्हा और संजय शुक्ला

राज्य शासन द्वारा भारतीय वन सेवा के दो अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षकों को प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री आर.बी.पी. सिन्हा को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कार्य आयोजना) के पद पर पदोन्नत करते हुए अरण्य भवन, नवा रायपुर अटल नगर में पदस्थापना की गई है।

इसी तरह अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक तथा अपर प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ श्री संजय शुक्ला को प्रधान मुख्य वन संरक्षक तथा प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ राज्य लधु वनोपज संघ के पद पर पदोन्नत करते हुए नवा रायपुर, अटल नगर में पदस्थापना की गई है।

उमा देवी

आईएफएस उमा देवी केंद्र सरकार में एडिश्नल सिकरेट्री बनायी गयी है। छत्तीसगढ़ की वो पहली और इकलौती अफसर हैं, जिन्हे गर्वमेंट आफ इंडिया ने एडिश्नल सिकरेट्री का पोस्ट मिला है। 1987 बैच की आईएफएस अफसर उमा देवी की पोस्टिंग एसीसी यानि अपाइंटमेंट कमेटी आफ द कैबिनेट के अप्रूवल के बाद हुई है। उमा देवी को वन एवं पर्यावरण जलवायु परिवर्तन विभाग में एडिश्नल सिकरेट्री बनाया गया है। छत्तीसगढ़ कैडर की इकलौती एडिश्नल सिकरेट्री होगी, इससे पहले सूबे आईएएस अफसर भी जो सेंट्रल में पोस्टेड हैं, वो भी अभी तक ज्यादातर ज्वाइंट सिकरेट्री तक ही पहुंच पाये हैं। इससे पहले केंद्र सरकार ने कुल 16 अफसरों के प्रमोशन लिस्ट जारी की है। उस सूची में उमा देवी छत्तीसगढ़ की इकलौती अफसर हैं।

राजेश दवे

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव और रणजी खिलाड़ी राजेश दवे को भारतीय महिला टीम का मैनेजर बनाया गया है। वे टीम के साथ आस्ट्रेलिया टूर पर दिसंबर को जाएंगे। यह टीम तीन अंतरराष्ट्रीय वन-डे और तीन टी-20 मैच आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी।

श्री मयंक श्रीवास्तव

पुलिस महानिदेशक डी.एम. अवस्थी ने सहायक पुलिस महानिरीक्षक मयंक श्रीवास्तव को स्पोर्टस प्रमोशन अधिकारी नियुक्त किया है।

छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय में खेलो को बढ़ावा देने के लिए अलग से अधिकारी नियुक्त करने से पुलिस विभाग में खेलो के प्रति सम्मान बढ़ेगा। सहायक पुलिस महानिरीक्षक श्रीवास्तव को खेलो को बढ़ावा देने के लिए योजना बनाने और खेल गतिविधियों में समन्वय लाने का दायित्व दिया गया है।

रीना कंगाले

2003 बैच की आईएएस रीना कंगाले प्रदेश की पहली महिला मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी होंगी। वे सुब्रत साहू का स्थान लेंगी। जिन्हें राज्य सरकार ने प्रमुख सचिव गृह के पद पर नियुक्त किया था। कार्यभार ग्रहण कर राज्य सरकार के अधीन सभी पदभार को छोड़ देंगी।

निधन

चन्द्रकांत उइके

छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस चन्द्रकांत उइके का निधन हो गया. चन्द्रकांत उइके समाज कल्याण विभाग के संचालक पद पर पदस्थ थे। उइके ने राज्य शासन में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी.

नत्थू दादा

बॉलीवुड के बौने कलाकार के रूप में मशहूर नत्थू दादा नहीं रहे। करीब सौ से ज्यादा हिंदी फिल्मों में काम कर चुके कलाकार नत्थू राम यानि कि नत्थू दादा रामटेके ने राजकपूर के साथ मेरा नाम जोकर से अपने फिल्मी कैरियर की शुरूआत की थी। फिल्मों से रिटायरमेंट के बाद वे राजनांदगांव के रामपुर गांव में पिछले कई सालों से रहे थे। राजकपूर, अमिताभ बच्चन, धर्मेन्द्र, राजकुमार, प्रेमनाथ, दारा सिंह, अमजद खान, फिरोज खान, डैनी जैसे कई बड़े कलाकारों के साथ इसकी कई फिल्में चर्चित रहीं। अमिताभ बच्चन के साथ कस्मे वादे फिल्म में काम किया।

मिथलेश साहू

लोक गायक मिथलेश साहू का निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। वे अपनी सुमधुर आवाज में गाये छत्तीसगढ़ी गीतों के जरिए छत्तीसगढ़ी संस्कृति के चाहने वाले लोगों की बीच विशेष पहचान रखते थे।

विशेष उपलब्धि

- भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा स्थापित दाऊ महासिंह चन्द्राकर सम्मान सन 2000
- छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध फीचर मया दे दे मया ले ले, परदेसी के मया, तोर मया के मारे', 'कारी', 'फुल कुवर, में गायन एवं अभिनय
- दूरदर्शन रायपुर से प्रसारित अपना अंचल कौशल कथा धारावाहिकों में गायन एवं अभिनय
- छत्तीसगढ़ी आडियो कैसेट ममता के मया, पीरा, चिन्हारी, लोक रजनी, पिरोहिल, मया के गीत प भर लाई , लोकरंग के संग, मौर आ जा सजन, मौर जहुरिया, सुमिरन, देखी 2 तोता म्या के मड़वा 'मोर मन बसिया बरी 31 में धन एवं संगत निर्देशन।
- सुप्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक मंच सौनहा बिहान में मुख्य गायक वादक, नर्तक एवं अभिनेता के रूप में संलग्न सन् 1977 से ।
- आकाशवाणी व दूरदर्शन लोक गायक के रूप में संलग्न सन् 1978 से
- इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ छ.ग. के लोक संगीत विभाग में विजिटिंग फेलोशिप सन् 1984 में।

रविकांत कौशिक

वरिष्ठ पत्रकार रविकांत कौशिक का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 60 वर्ष के थे।

पुरस्कार/सम्मान

कांति और भामेश्वरी को मिलेगा राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार

भारतीय बाल कल्याण परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार-2019 से सम्मानित किया जाएगा,सम्मानित होने वाले बच्चों में छत्तीसगढ़ की दो साहसी बेटियों धमतरी जिले की भामेश्वरी निर्मलकर और सरगुजा जिले की कांति सिंग के नाम की अनुशंसा छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा की गई थी।

भामेश्वरी निर्मलकर

धमतरी जिले के कानीडबरी गांव की भामेश्वरी निर्मलकर (पिता श्री जगदीश निर्मलकर) ने 12 साल की

Vani SAGAR COACHING
CGPSC CGVYAPAM
SSC BANK RAILWAY
Free Demo classe's for 7 Days
New Batch Starts from Every Monday
Beside Chhattisgarh College, Byron Bazar, Raipur (C.G.)
95847-50047, 88395-53519

बिलासपुर ट्यूटोरियल्स दुर्ग
PSC
VYAPAM
RAILWAY
MATHS/REASONING की विशेष कक्षाएँ
STUDY POINT, DEEPAK NAGAR, DURG
6263-722-922, 6262-111-030

Vikas Parakh-January-20.qxd 1/1/2020 9:41 AM Page 25

आधुनिक भारत - परीक्षा उपयोगी तथ्य

- डलहौजी की गोद निषेध की नीति के सर्वप्रथम सतारा, नागपुर, झांसी आदि का विलय हुआ।
- कुशासन के आधार पर अवध तथा हैदराबाद का विलय किया गया।
- पंजाब और सिंध का कुटनीति व्दरा विलय किया गया।
- 29 मार्च 1857 को बैरकपुर (पं. बंगाल) के 34वी. एन.आई. रेजीमेंट के सैनिक मंगल पांडे ने अपने सार्जेंट की हत्या कर दी।
- 1858 ई. में ब्रिटिश संसद ने कानून पारित कर ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन की समाप्ति की घोषणा की तथा भारत पर शासन का अधिकार महारानी के हाथों में आ गया।
- राजस्व वसूली करने वाले बिचौलिये व महाजनों के उदय से ग्रामीण समाज का शोषण तेजी से बढ़ना।
- खेतों व जंगलों परम्परागत आदिवासी अधिकारों का दमन।
- सन्यासी विद्रोह का उल्लेख वन्दे मातरम् के रचयिता बकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने अपने प्रसिध्द उपन्यास आनन्दमठ में किया है। इस विद्रोह की खासियत हिन्दू-मुस्लिम एकता थी।
- कूका आंदालोन की शुरूवात 1840 में पश्चिमी पंजाब मे भगत जवाहरमल ने की। इसका उद्देश्य सिक्ख धर्म में आयी कुरीतियों को दूर कर उसे पवित्र बनाना था। इसके नेता रामसिंह कूका को रंगून भेज दिया गया।
- बिहार के चम्पारण जिले के किसानों को अपनी जमीन के 3/20 वें हिस्से में नील की खेती करना अनिवार्य था। इसे तिनकठिया पध्दति कहते थे।
- 1917 में राजकुमार शुक्ल ने गांधीजी को चम्पारण बुलाया। अपने सहयोगियों- ब्रज किशोर, राजेन्द्र प्रसाद, महादेव वर्मा, नरहरि पारेख, जे.बी.कृपलानी, आदि के साथ गाँवो का दौरा किया। सरकार ने एक जाँच आयोग गठित की, जिसमें गाँधीजी को भी शामिल किया गया। बगान मालिक अवैध वसूली का 25 फीसदी वापस करने पर राजी हो गये।
- अप्रैल 1936 में लखनऊ में अखिल भारतीय किसान कांग्रेस की स्थापना हुई, जिसा बाद में नाम बदलकर अखिल भारतीय किसान सभा रखा गया।
- राममोहन राय भारतीय पत्रकारिता के भी अग्रदूत थे। उन्होंने स्वयं बंगाली पत्रिका संवाद कौमुदी का प्रकाशन किया। उन्होंनें फारसी भाषा में भी एक पत्र निकाला जिसका नाम मिराकुल अखबार था।
- सन् 1857 ई. में केशव चन्द्र सेन ब्रम्हा समाज में शामिल हुए। सेन ने ब्रम्हा समाज ऑफ इण्डिया का गठन किया तथा देवेन्द्र नाथ के संगठन को आदि ब्रम्हा समाज कहा जाने लगा।
- गुजरात के स्वामी दयानन्द सरस्वती(मुल नाम मूलशंकर) ने 1875 ई. में बंबई में आर्य समाज की स्थापना की। वे स्वामी विरजानंद के शिष्य थे।
- आर्य समाज व्दारा 1886 ई. में लाहौर में प्रथम एंग्लो-वैदिक स्कूल की स्थापना हुई।
- दयानन्द सरस्वती ने सत्यार्थ प्रकाश(हिन्दी), वेद भाष्य तथा वेद भाष्य भूमिका नामक तीन पुस्तकों की रचना की।
- स्वराज शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम दयानन्द सरस्वती ने किया। जो बाद में चलकर स्वाधीनता आन्दोलन का मूलमंत्र बन गया।
- थियोसोफिकल सोसाइटी स्थापना जर्मन और रूसी रक्त की महिला मैडम हेलन पेट्रोवना ब्लेवट्स्की व अमरीकी सैनिक अफसर कर्नल हेनरी स्टील ऑलकाट के संयुक्त सहयोग से 1875 ई. में न्यूयार्क में हुई। सन् 1882 ई. में इस समाज का मुख्यालय मद्रास के पास अडयार में स्थानांतरित कर दिया गया।
- 1898 ई. में एनी बेसेन्ट ने बनारस हिन्दू कालेज की स्थापना की, जो कालांतर में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना का कारण बना।
- पं. ईश्वरचन्द्र विद्यासागर ने 1855 ई. में विधवा एवं पुनर्विवाह की आवाज उठायी।
- देवबंद आन्दोलन की स्थापना 1866 ई. में देवबंद में हुई, इस दार-उल-उलूम कहा जाता था। इस आन्दोलन के नेता मुहम्मद कासिम ननौत्वी(1832-80) तथा रशीद अहमद गंगोही (1828-1905) थे।
- 1932 ई. में गाँधी जी ने दलितों के उत्थान के लिए अखिल भारतीय हरिजन संघ की स्थापना की ।
- लार्ड कार्नवालिस ने 1793 ई. में बंगाल और बिहार में इस्तमरारी बन्दोबस्त की प्रथा का आरंभ किया।
- रीड तथा मुनरो के नेतृत्व में मद्रास के अनेक अधिकारियों ने यह सिफारिश की कि सीधे वास्तविक काश्तकारों के साथ बन्दोबस्त किया जाए। जिस व्यवस्था का प्रस्ताव रखा उसे रैतवारी बन्दोबस्त कहा जाता है।
- गंगा के दोआब, पश्चिमोत्तर प्रांत, मध्य भारत के कुछ भागों और पंजाब जमींदारी प्रथा का एक संशोधित रूप लागू किया गया, जिसे महलवारी प्रथा कहा जाता है।
- भारत में नागरिक सेवा के संगठन का श्रेय लार्ड कार्नवालिस को दिया जाता है।
- वेलेजली ने कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना 1800 ई. मे की, जहाँ से भारत आने वाले नागरिक प्रशासकों को प्रशिक्षण दिया जा सके।
- वारेन हेस्टिंग्स के समय 1773 ई. मे रेग्यूलेटिंग एक्ट के व्दारा कलकत्ता में एक सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की गयी जिसके अधिकार क्षेत्र में कलकत्ता में रहने वाले सभी भारतीय अंग्रेज थे।
- 1823 में जब जॉन एडम्स कार्यवाहक गवर्नर जनरल बने, तब भारतीय प्रेस पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया गया। इस अधिनियम के अनुसार मुद्रक तथा प्रकाशक को मुद्रणालय स्थापित करने के लिए अनुज्ञप्ति लेनी होती थी।
- रेग्यूलेटिंग एक्ट (1773 ई.) ईस्ट इंडिया कंपनी व्दारा किये जा रहे कार्यो पर नियंत्रण, ब्रिटिश सरकार व्दारा गर्वनर जनरल तथा उसकी चार सदस्यीय परिषद व्दारा बंगाल का शासन तथा कलकत्ता मे सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना।
- 1853 ई. में सम्पूर्ण पश्चिमी भारत के लिए थॉमसन पध्दति अपनायी गयी, जिसमें देशी भाषा पर बल दिया गया। 1854 ई. में वुड का घोषणा पत्र आया जिसके अन्तर्गत प्राथमिक स्तर ले लेकर विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा की बात थी।
- 1853 ई. में प्रथम तार लाईन कलकत्ता से आगरा तक शुरू की गई।
- 1865 ई. कलकत्ता, मुम्बई तथा मद्रास मे उच्च न्यायालयों की स्थापना।
- रॉयल टाइटल अधिनियम 1876 ई. पारित जिसके व्दारा महारानी विक्टोरिया को 'केसर ए हिन्द' की उपाधि दी गई।
- 1935 ई. का भारत सरकार अधिनियम पारित। अंग्रेजों व्दारा भारत में किये गये संवैधानिक विकास की अंतिम कड़ी थी।1935 ई. में भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना।
- 1942 ई. क्रिप्स मिशन व्दारा भारत को डोमिनियन स्टेटस का प्रस्ताव जिसे कांग्रेस ने अस्वीकृत कर दिया। गाँधीजी ने इसे पोस्ट डेटेड चेक की उपाधि दी।
- दिल्ली 1911 मे ब्रिटिश सम्राट जार्ज पंचम और महारानी मेरी के भारत आगमन पर उसके स्वागत हेतु दिल्ली में एक दरबार का आयोजन किया गया।
- 1 अप्रैल, 1912 को दिल्ली को कलकत्ता की जगह भारत की नई राजधानी बनाया गया।
- भारत में 1917 से 1918 के मध्य गाँधी जी ने संघर्ष चम्पारण और खेड़ा का किसान आंदोलन तथा अहमदाबाद के मजदूर आंदोलन का सफल नेतृत्व किया।
- चम्पारण सत्याग्रह (1917) के समय ही पहली बार गाँधी जी ने भारत में सत्याग्रह करने की धमकी दी थी। चम्पारण सत्याग्रह के सफल नेतृत्व के बाद ही रवीन्द्र नाथ टैगोर ने गाँधी जी को प्रथम बार महात्मा कहा।
- दिल्ली 1911 मे ब्रिटिश सम्राट जार्ज पंचम और महारानी मेरी के भारत आगमन पर उसके स्वागत हेतु दिल्ली में एक दरबार का आयोजन किया गया।
- 1 अप्रैल 1912 को दिल्ली को कलकत्ता की जगह भारत की नई राजधानी बनाया गया।
- भारत में 1917 से 1918 के मध्य गाँधी जी ने संघर्ष चम्पारण और खेड़ा का किसान आंदोलन तथा अहमदाबाद के मजदूर आंदोलन का सफल नेतृत्व किया।
- चम्पारण सत्याग्रह (1917) के समय ही पहली बार गाँधी जी ने भारत में सत्याग्रह करने की धमकी दी थी। चम्पारण सत्याग्रह के सफल नेतृत्व के बाद ही रवीन्द्र नाथ टैगोर ने गाँधी जी को प्रथम बार महात्मा कहा।
- सितंबर 1932 में गाँधी जी ने हरिजन कल्याण हेतु अखिल भारतीय छुआछुत विरोधी लीग की स्थापना की तथा हरिजन नामक साप्ताहिक पत्र का प्रकाशन किया।
- 1933 से 35 के मध्य कैम्ब्रिज (इग्लैण्ड) में पढ़ने वाले चौधरी रहमत अली नामक एक मुस्लिम छात्र ने एक पर्चा जारी कर पृथक राज्य पाकिस्तान की मांग की।
- 14 जुलाई 1942 को वर्धा में आयोजित कांग्रेस कार्य समिति की बैठक भारत छोड़ो आंदोलन पर एक प्रस्ताव पारित किया गया।
- ग्वालिया टैंक मैदान अगस्त क्रान्ति मैदान के नाम से भी जाना जाता है।
- ब्रिटेन में विस्टन चर्चिल की कंजरवेटिव के चुनाव हारने के बाद श्रमिक दल के नेता क्लीमेन्ट एटली ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने, उन्होनें सर पैथिक लोरेंस को भारत सचिव नियुक्त किया।
- 29 मार्च 1946 को कैबिनेट मिशन भारत आया। कैबिनेट मिशन के सदस्यों में शामिल थे सर स्टेफर्ड क्रिप्स, श्री ए.बी. अलेक्जेंडर तथा पैथिक लारेंस।
- लार्ड माउन्टबेटेन को स्वतंत्र भारत का प्रथम ब्रिटिश गवर्नर जनरल नियुक्त किया तथा जवाहर लाल नेहरू को भारत का प्रधानमंत्री बनाया गया।

Vikas Parakh-January-20.qxd 1/1/2020 9:41 AM Page 26

छत्तीसगढ़ संस्कृति- परीक्षा उपयोगी तथ्य

- छत्तीसगढ़ के प्रमुख प्रारंभिक पर्व हरेली त्यौहार है । इसमें कृषि उपकरण हलादि और बैलों की पूजा का विधान है।
- कृषकों का प्रारंभिक पर्व कृषि उपकरणों को धो पोंछकर और बैलों को सजा-संवार कर हरेली को मूर्त किया जाता है।
- पुष पूर्णिमा को मनाया जाने वाला छेवर शब्द से विकसित व प्रसारित छेरछेरा त्यौहार में अन्नपूर्णा का दान देकर जब कृषक के यहां अन्नपूर्णा आ जाती है, तब वह अन्नदान महोतस्व छेरछेरा मनाता है।
- तथा कृषकों द्वारा कमाकर कोठी में रखे अन्न पर समाज का हिस्सा है इस आचरित कर दिखाने का उल्लेख छेरछेरा के रूप में प्रचलित है।
- दक्षिण बस्तर की फागुन मंडई विश्व प्रसिद्ध है फागुन मेले में क्षेत्र के करीब सैकड़ों गांव के पांच सौ से अधिक देवी देवता शामिल होने दंतेवाड़ा पहुंचते हैं।
- महाशिवरात्रि के दिन परंपरानुसार अंचल के समस्त देव देवियों को मेला मंडई में शामिल होने हेतु निमंत्रण भेजा जाता है।
- सीताबेंगा में मिला शिलालेख साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेख मागधी भाषा और ब्राम्ही लिपि में उत्कीण हैं।
- काशीप्रसाद जायसवाल ने सीताबेंगा लेख की लिपि को अशोक के पूर्व माना है।
- रामगढ़ पर्वत की संस्कृति के दो प्रतिनिधि कलाकारों के नाम दूसरी गुफा जोगी माण्डा लेख में मिलते हैं। ये नाम हैं सुतनुका जो देवदासी थी। दूसरा है उसका प्रेमी देवदीन जो रूप गढ़ने में दक्ष था।
- सुतनुका नामक देवदासी जो वरूण की सेवा में समर्पित थी, देवदीन नामक रूपदक्ष से प्रेम करती है। प्यार करने के लिए पाली में कामचित्था शब्द है।
- उसे किसी देव की सेवा में होना चाहिए। देवदासियाँ नृत्य संगीत और अभिनय में प्रवीण होती थीं।
- संभवत: देवदीन इन चित्रकला और नाट्य कला में निश्चित रूप से प्रवीण था।
- संभवत: देवता की सेवा में समर्पित देवदासी (पुजारिन) के लिए किसी पुरूष से प्रेम करना वर्जित था। उसे अपना आचरण पवित्र रखना आवश्यक था। अपने प्रेम प्रसंग को अमरत्व प्रदान करने के लिए उसे लेखबध्द कर दिया गया हो।
- रामगढ़ सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र था।
- नाट्यशाला, नाट्य, काव्य, रूप दक्षता, देवदासित्व, लिपि तथा भाषा के अतिरिक्त रामगढ़ की गुफायें चित्रकला के विकास पर प्रकाश डालती हैं।
- चित्रकला की यात्रा कबरागढ़ और सिंघनपुर के आदिम मानव की सभ्यता पर प्रकाश पड़ता है।
- जोगीमाड़ा गुफा के चित्र सभ्यता के विकास की अवस्था को व्यक्त करते हैं। अब तक भारत में जितने भी चित्र मिले हैं, उनमें सबसे पुराने हैं।
- प्रकृति देवी की पुजा की निमित्त सावन शुक्ल अष्टमी को टोकनियों में खाद मिश्रित मिट्टी में धान, गेहूँ, ज्वार, उड़द के दानों की बोनी कर मुहल्ला प्रमुख के घर में सब लड़कियाँ शाम को एकत्रित होकर भोजली देवी का स्तवन करती है जिसे भोजली गीत कहते है।
- भोजली पहाड़ी राग और दीपचंदी ताल में निबध्द है
- श्रृँगार रस से सराबोर ददरिया बारहमासी गीत है। काम करते-करते थके हुए नर-नारियों के श्रम परिहार की प्रयोग सिध्द पदावली है।
- वियोग की विकलता और संयोग से स्थल संकेत के सिवाय, सवाल-जवाब का बहु प्रचलित सरस सरल माध्यम है।
- इस गीत में बहुत अधिक श्रृँगारिकता है। ददरिया एक सरल छंद है अनेक गाने वाले तुरंत जोड़कर अपनी बात कह लेते है।
- गउरा आदिवासियों का शिवपार्वती विवाह है। दिवाली या देवउठनी एकादशी को मनाना निश्चित कर आराधना का आरंभ किया जाता है।
- स्त्रियों की टोली मिट्टी के सुये की प्रतिमा को टोकनी में लेकर आँगन के बीच रख सुआ को मंडलाकार घेरकर ये नर्तकियाँ ताली बजाती हुई नाचती गाती है।
- गाँव के डंडा नाचने वालों की टोली छेरछेरा, कोठी के धान ला हेरते हेरा ऐसा समूह व घोष करती, किसानों के आँगन में नाचने लगती है, **डंडा गीत** नृत्य गीत है।
- **करमा** छत्तीसगढ़ के वनवासियों का प्रसिध्द नृत्य करमा के गीतों में देवधानी याने ईश्वरपरक और मस मोटाई संबंधी वर्णन मिलता है।
- करम डाल के चारों ओर नवान्न के स्वागत में किया जाने वाला नृत्य करमा है। जिसकी शैलियों के नाम है, यथा लहकी, थेथिहा, झुमर, लफइया, मुहहारी आदि।
- छत्तीसगढ़ की दसमत नामक कन्या की गाथा दसमत कैना, एकांगी (एकतरफ़ा) प्रेम की गाथा है।
- देवार जाति के गायक दसमत कैना लोक गाथा गाते हैं।
- राजनांदगाँव जिले में ओडार बाँध के पास दसमत की समाधि (मंदिर) छत्तीसगढ़ी लोकजीवन में इस गाथा की महत्ता को रेखांकित करती है।
- भादों मास की कृष्णपक्षी चतुर्थी को स्त्रियाँ बहुला चौथ का व्रत करती हैं। पूजन के लिए गाय, बछड़ा, शेर, पहाड़ तथा बनैले जीव-जंतु बनाए जाते हैं।
- इस व्रत में जौ के आटे का फलाहार करते और गाय के दूध का सेवन निषेध मानते हैं।
- पूजा के समय बछड़े द्वारा लात से सिंह को मारने की रस्म भी की जाती है। चाँदी की गौ बनाकर दान भी करते हैं। पूजा का फल मनोकामना पूर्ण करनेवाला, पुत्र-प्राप्ति करानेवाला कहा गया है।
- बस्तर अंचल में अमुस तिहार तथा छत्तीसगढ़ के अन्य भागों में इसे हरेली कहा जाता है।
- अमुस तिहार के अन्तर्गत अपने पालतू पशुओं की पारम्परिक चिकित्सा के माध्यम से मौसमी बीमारियों से रक्षा की विधि अपनाई जाती है,यह मुख्यत: पशुधन पूजा का पर्व है।
- विश्व प्रसिध्द बस्तर दशहरा का विधिवत् शुभारंभ श्रावण मास के अमावस्या से अर्थात् हरियाली अमावस्या से होता है।
- बस्तर अंचल में अमुस में गेड़ी के प्रयोग के संबंध में लोक-मान्यता है कि गेड़ी की सवारी से लोक-देवता घोरंडी देव प्रसन्न होते हैं और वे दुष्ट आत्माओं से परिवारजनों की रक्षा करते हैं।
- आदिम समाज का पुनांग तिंदाना याने नवा खानी भाद्र शुक्ल पक्ष के पंचमी में पोरा नालिन याने चांद दिखने के बाद मनाया जाता है।
- पोला,अगस्त महीने के दौरान कृषि कार्य समाप्त होने के बाद भाद्रपद (भादो) की अमावस्या को मनाया जाता है। जनश्रुति के मुताबिक इस दिन अन्नमाता गर्भधारण करती है
- हरतालिका तीज व्रत भाद्रपद की शुक्ल पक्ष की तृतीया को हस्त नक्षत्र के दिन होता है। इस दिन कुमारी और सौभाग्यवती महिला गौरी-शंकर की पूजा करती है।
- फाग गीत गायन मे प्रमुख नगाड़ा वाद्ययंत्र का उपयोग किया जाता है।
- भरथरी गीतो के गायन में प्रमुख इकतारा वाद्ययंत्र का उपयोग होता है।
- नाचा या छैला नृत्य देवार जाति के व्दारा किया जाता है।
- नाचा की पहली महिला कलाकार फिदाबाई थी।
- नाचा के भविष्य पितामह दाऊ दुलासिंह मदराजी को कहा जाता है। रवेली गांव के मंचीय प्रदर्शन से आरंभ किया।
- गम्मत मे प्रयोग होने वाले प्रमुख वाद्ययंत्र चिंकारा, तबला, मंजीरा है।
- माओपाटा जो कि एक शिकार नाट्य है मुड़िया जनजाति व्दारा किया जाता है।माओपाटा घोटुल के युवक युवतियों का एक प्रमुख नृत्य नाट्य है जिसे वे रुचिपूर्वक अभिनीत करते हैं।
- छ.ग. की रासलीला के नाम से रहस लोक नाट्य प्रचलित है।
- हालैंड की स्वतंत्रता का इतिहास नामक साहित्य बैरिस्टर छैदीलाल की कृति है।
- तारीख-ए-हैहयवंशी नामक साहित्य बाबू रेवाराम की कृति है।
- छत्तीसगढ़ का प्रथम नाटक कलिकाल (1905) लोचनप्रसाद पाण्डे की कृति है।
- बाँस गीत रावतों के द्वारा गाया जाने वाला दो-दो व्यक्तियों के दो विभिन्न दलों द्वारा गाया जाता है। बंशीनुमा बाँस के लगभग चौथाई हिस्से के आकार का यह बाँस का वाद्य बाँसगीत में प्रयुक्त होता है।
- बीरम गीत खानाबदोश देवार जाति की स्त्रियों द्वारा गाया जाने वाला गीत है। घुमक्कड़ स्वभाव के कारण प्रचलित बीरमगीतों में विभिन्न क्षेत्रों के ऐतिहासिक संदर्भों का बखान मिलता है।
- बसदेवा गीत बसदेवा जाति के लोगों का गीत है। बसेदेवा 'चिकारा' के साथ गीत गाते हैं और घर-घर भीख माँगते हैं।
- अध्यात्म से संबंधित गीतों के आधार पर बसदेवा जाति प्रसन्न करने और भिक्षार्जन करते हैं। कहीं-कहीं दार्शनिकता के कारण इन गीतों में आत्मा-परमात्मा का विश्लेषण हुआ है।
- छत्तीसगढ़ की जनजातियों पर सर्वप्रथम शोध करने वाले समाजशास्त्रियों में वेरियर एलविन का नाम प्रमुख है। इनकी पुस्तके है -द बैगा,द रीलिजन आफ इन इन्डीयन ट्राइव, द मुरियाज एंड देयर घोटूल, द अगरिया, मुरिया मर्डर एंड सुसाईड ।
- बस्तर की जनजातियों पर डबलुबी ग्रिवासन ने काफी महत्वपूर्ण शेध ग्रन्थ लिखा। उनकी पुस्तक है - द मुरिया गोंड आफ बस्तर
- द्रविड़ भाषा परिवार की बोली में गोंड़ (गोंड़ी या कोया) उरांव (कुडुख बोली) दोरला तथा परजा आदि बोली आता है ।

Vikas Parakh-January-20.qxd 1/1/2020 9:41 AM Page 27

1. देश के 65 शहर केन्द्र सरकार के सौर सिटी प्रोजेक्ट में प्रदेश के किन दो शहरों को शामिल किया?
अ. रायपुर व बिलासपुर
ब. बिलासपुर व अंबिकापुर
स. दुर्ग व रायपुर
द. जगदलपुर व अंबिकापुर

2. मनरेगा मे दिव्यांगों को रोजगार देने में छ.ग. देश में छठवें स्थान पर है महात्मा गाँधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम कब लागु किया गया?
अ. 2004 ब. 2005 स. 2006 द. 2007

3. प्रदेश के किस स्थल पर महात्मा गाँधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय बनने जा रहा है?
अ. धनेली ब. चरोदा
स. सांकरा द. लवन

4. विलुप्त हो रहे पेड़-पौधों और जीवों को बचाने हेतु सरकार द्वारा निम्न में से कौन से कदम उठाए गए है?
अ. गाँवों का बायोडावर्सिटी रजिस्टर तैयार किया जा रहा है।
ब. संरक्षण के प्रयास हेतु उचित पुरूस्कार देकर।
स. विलुप्त पेड़-पौधों जीवों की तस्करी में उचित दंड देकर।
द. इनमें से कोई नहीं।

5. हाल ही में मुख्यमंत्री जी ने किस देश के क्रिकेटर से मुलाकात की?
अ. जसप्रीत बुमराह, भारत
ब. ड्वेन ब्रावो, वेस्टइंडीज
स. किरॉन पोलार्ड, वेस्टइंडीज
द. डेविड वार्नर, आस्ट्रेलिया

6. राज्य का पहला आधार सेवा केन्द्र किस जिला मे शुरू किया गया?
अ. दुर्ग ब. बिलासपुर
स. रायपुर द. सरगुजा

7. गरियाबंद के सुपेबेड़ा क्षेत्र में जन किस बीमारी से ग्रसित होते जा रहे है?
अ. किडनी की बीमारी ब. डेंगू
स. चिकनगुनिया द. इनमें से कोई नहीं

8. रामवनगमन कथनों पर विचार करें।
1. कुल 51 चिन्हित स्थलों में पहले चरण में 8 स्थलों का विकास किया जाएगा।
2. पहले चरण में विकास कार्य चंदखुरी के कौशिल्या माता के मन्दिर से शुरू किया जाएगा।
3. व्दितीय चरण के विकास हेतु 16 स्थल चिन्हित किये गये है।
सही विकल्प चुने :
अ. 1 व 3 ब. 2 व 3
स. 1 व 3 द. सभी विकल्प सत्य

9. राज्य के कोरिया जिले के पोड़ी ग्राम सरपंच प्रेमाबाई को किस किस केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया।
अ. मनरेगा के तहत वाटर हार्वेस्टिंग संरचना
ब. महिलाओं को कुटीर उद्यो में सर्वाधिक रोजगार देने हेतु
स. नशामुक्त ग्राम निर्माण हेतु
द. वन संरक्षण के सफल प्रयास हेतु

10. रुस के मास्को में आयोति किस प्रतियोगिता में प्रवेश की
अ. मनरेगा के तहत वाटर हार्वेस्टिंग संरचना
ब. महिलाओं को कुटीर उद्यो में सर्वाधिक रोजगार देने हेतु
स. नशामुक्त ग्राम निर्माण हेतु
द.वन संरक्षण के सफल प्रयास हेतु

11. रुस के मास्को में आयोति किस प्रतियोगिता में प्रवेश की नमी राय पारेख स्वर्ण पदक जीता
अ. व्लर्ड् टेबल टेनिस ब. व्लर्ड पावर लिफ्टिंग
स. यूरोपियन पावर लिफ्टिंग
द. वर्ल्ड स्विमिंग
ब. व्लर्ड पावर लिफ्टिंग

12. राज्य के उभरते चर्चित खिलाड़ी अजय मंडल किस खेल से संबंधित है?
अ. बैडमिंटन ब, स्विमिंग
स. क्रिकेट द. हॉकी

13. प्रदेश के सहायक प्राध्यापक डा. सुधन्वा पात्र को किस विषय क्षेत्र की श्रेणी में उत्कृष्ट योगदान के हेतु ओडिशा यंग साइंस्टि अवार्ड के लिए चुना गया?
अ. भौतिक विज्ञान ब. जीव विज्ञान
स. रोबोट्किस द. एरोनोटिक्स

14. आयुष्मान भारत योजना लागू करने के क्रम में गुजरात प्रथम स्थान पर है, छत्तीसगढ़ में यह किस स्थान पर है।
अ. द्वितीय ब. दूसरा
स. तीसरा द. छटवां

15. राज्य में संचालित सुकन्या योजना के संबंध में कौन सा कथन सत्य है।
अ. बेटी के नाम से 1 साल में 1 हजार से लेकर 1.50 लाख रुपये जमा किया जा सकता है।
ब. खाता खुलने के 14 साल तक ही राशि जमा करवानी होगी।
स. 21 साल के बाद खाता बंद हो जाएगा और राशि मिल जाएगी।
द. सभी कथन सत्य।

16. सुकन्या योजना किस अभियान के तहत शुरु की गई है।
अ. पोषण अभियान ब. बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ
ब, महिला सशक्तिकरण अभियान
स. महिला अधिकार अभियान

17. प्रदेश की पहली महिला मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के पद किसे नियुक्त किया गया।
अ. रीना कंगाले ब. रानु साहू
स. नम्रता जैन द. अंकिता शर्मा

18. किस राज्यसभा सांसद ने छत्तीसगढ़ी भाषा को संविधान की आठवीं अनसूची में शामिल करने की मांग की।
अ. सरोज पांडे ब. छाया वर्मा
स. मोतीलाल वोरा द. रामविचार नेताम

19. अंतरराष्ट्रीय संघ की ओर से राज्य से किसे कर्मवीर चक्र से सम्मानित किया गया।
अ. प्रियंका बिस्सा ब. फुलबासन देवी
स. रेणुका यादव द. सोनाबाई रजवार

20. वर्तमान में बिलासपुर उच्च न्यालाय द्वारा कितने जिलों में त्वरित अदालत (फास्ट ट्रेक कोर्ट) का गठन किया है?
अ. 5 जिलों में ब. 3 जिलों में
स. 12 जिलों में द. सभी जिलों में
अ. 5 जिलों में

21. राज्य के भू वैज्ञानिक जितेंद्र मक्का द्वारा प्रकाश में आये टोपर जलप्रपात राज्य के किस जिले में है।
अ. बस्तर ब. कांकेर
स. कोंडागांव द. दंतेवाड़ा

22. केन्द्र सरकार के रामायण सर्किट में राज्य मे किस स्थल को स्थान दिया गया?
अ. दण्डकारण्य ब. जगदलपुर
स. बलौदाबाजार द. शिवरीनारायण

23. किनकी जन्मतिथि बताने पर राज्य में नगद पुरस्कार की घोषणा की गई?
अ. लव कुश ब. श्रीराम
स. कौशिल्या माता द. शबरी

24. किस आधार पर भगवान राम यात्रा मार्ग को चिन्हित किया गया?
अ. दण्डकारण्य रामायण, दिवंगत मन्नुलाल यदु
ब. रामायण प्रताप, गोपाल प्रसाद मिश्र
स. रामप्रताप, माखनलाल मिश्र
द. राम बनवास, श्यामलाल चतुर्वेदी

25. रामगमन मार्ग छत्तीसगढ़ में कितने स्थलों को चिन्हित किया गया?
अ. 55 ब. 52 स. 51 द. 43

26. पहले 8 चरणों के विकास में कौन शामिल नही है?
अ. रामगढ़ की पहाड़ी ब. तुरतुरिया
स. सिरपुर, महासमुंद द.चंदखुरी

27. पहले आठ चरण में शामिल शिवरीनारायण जहाँ भगवान राम ने शबरी के जुठे बेर खाए, किन नदियों के संगम पर स्थित है?
अ. महानदी, जोंक, शिवनाथ नदी
ब. महानदी, सोंठूर, पैरी
स. लात, जोंक, महानदी
द. शिवनाथ, खारून, महानदी

28. रामवनगमन में शामिल स्थलों के संदर्भ में जोड़ी मिलान करें-

1. सीतामढ़ी हरचौका-	अ. सीता की रसोई
2. रामगढ़ की पहाड़ी-	ब, सीताबेंगरा गुफा
3. तुरतुरिया-	स. लव-कुश जन्म स्थान
4. राजिम-	द. श्रीम द्वारा स्थापित कुलेश्वर महादेव

सही विकल्प चुने-

अ. 1. द	2 ब	3 स	द अ
ब. 1 ब	2 अ	3 द	4 स
स. 1 अ	2 ब	3 स	4 ड
द. 1 4	2 अ	3 ब	4 अ

उत्तर

1. अ. रायपुर व बिलासपुर, **2.** ब. 2005, **3.** स. सांकरा, **4.** अ. गाँवों का बायोडावर्सिटी रजिस्टर तैयार किया जा रहा है, **5.** ब. ड्वेन ब्रावो, वेस्टइंडीज, **6.** स. रायपुर, **7.** अ. किडनी की बीमारी, **8.** उत्तर देना है, **9.** अ. मनरेगा के तहत वाटर हार्वेस्टिंग संरचना, **10.** अ.मनरेगा के तहत वाटर हार्वेस्टिंग संरचना, **11.** ब. व्लर्ड पावर लिफ्टिंग, **12.** स. क्रिकेट, **13.** अ. भौतिक विज्ञान, **14.** स. तीसरा, **15.** द. सभी कथन सत्य, **16.** ब. बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ, **17.** अ. रीना कंगाले, **18.** ब. छाया वर्मा, **19.** अ. प्रियंका बिस्सा, **20.** अ. 5 जिलों में, **21.** अ. बस्तर, **22.** ब. जगदलपुर, **23.** स. कौशिल्या माता, **24.** अ. दण्डकारण्य रामायण, दिवंगत मन्नुलाल यदु, **25.** स. 51, **26.** स. सिरपुर, महासमुंद, **27.** अ. महानदी, जोंक, शिवनाथ नदी, 28. स. 1 अ, 2 ब, 3 स, 4 ड।

Vikas Parakh-January-20.qxd 1/1/2020 9:41 AM Page 28

1. **भारत ने हाल ही पिनाका का सफल प्रायोगिक परीक्षण किया है, यह है -**
अ. एक मिसाइल प्रणाली
ब. मौसम उपग्रह
स. परमाणु बिजली उत्पादन इकाई
द. सीमा सुरक्षा के लिए ड्रोन

2. **तानसेन समारोह 2019 का आयोजन मध्यप्रदेश के किस जिले मे किया जा रहा है?**
अ. इन्दौर ब. ग्वालियर
स. भोपाल द. जबलपुर

3. **श्रीराम लागू का हाल ही में निधन हुआ ये किस क्षेत्र से थे?**
अ. प्रशासन ब. साहित्यकार
स. अभिनेता द. संगीतकार

4. **राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस कब मनाया जाता है?**
अ. 24 दिसंबर ब. 26 दिसंबर
स. 21 दिसंबर द. 25 दिसंबर

5. **भारत का नया विदेश सचिव किसे नियुक्त किया गया है?**
अ. अजीत डोभाल ब. हर्षवर्धन श्रृंगला
स. विजय केशव गोखले द. इनमें से कोई नहीं।

6. **ट्रब्यूनल एण्ड ट्रिम्फ द मोदी ईयर पुस्तक के लेखक कौन है?**
अ. राहुल अग्रवाल और भारती एस. प्रधान
ब. राजेश जैन और भारती एस. प्रधान
स. गुलाब कोठारी
द. इनमें से कोई नहीं।

8. **विदूषि सविता देवी हाल ही में निधन हुआ वे किस घराने की ठूमरी विशेषज्ञ थी?**
अ. ग्वालियर ब. जयपुर
स. बनारस द. रायगढ़

9. **भारत में किस प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया जाता है?**
अ. चौधरी चरणसिंह ब. अटल बिहारी वाजपेयी
स. राजीव गाँधी द. इंदिरा गाँधी

10. **राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान का मुख्यालय कहाँ पर स्थित है?**
अ. मुम्बई ब. विशाखापट्टनम
स. पांडिचेरी द. गोवा

11. **किस भारतीय भारतोलक ने छठवें कतर इंटरनेशनल कप में स्वर्ण पदक जीता?**
अ. अजय सिंह ब. देवेन्द्र मणि त्रिपाठी
स. कुंजरानी द. मीराबाई चानु

12. **2600 ई पू से 1900 ई पू तक भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिम में कौन सी सभ्यता रही?**
अ. वैदिक काल ब. सिंधु घाटी सभ्यता
स. कुषाण साम्राज्य द. महाजनपद

13. **हर्षवर्धन के राज्य का समयकाल क्या था?**
अ. 600 -658 ई. ब. 606 -647 ई.
स. 602 -665 ई. द. 564 -600 ई.

14. **नेपोलियन बोनार्ट किस वर्ष सम्राट बना था?**
अ.1799 ब.1804
स.1802 द.1815

15. **अमेरिका में शीरा के आयात पर रोक हेतु पारित 1764 ई. का अधिनियम क्या कहलाया था?**
अ. स्टाम्प एक्ट ब.ग्रेनविल एक्ट
स.शुगर एक्ट द.शीरा प्रतिबंध एक्ट

16. **अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य मंडल का सचिवालय कहाँ है?**
अ. जेनेवा ब. लंदन
स. न्यूयॉर्क द. पेरिस

17. **भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम कब पारित हुआ?**
अ. 2005 ब. 2007
स. 2009 द. 2010

18. **ऐलोरा का कैलाशनाथ मंदिर किसने बनवाया?**
अ. राष्ट्रकूट राजा कृष्ण प्रथम
ब. नरसिंहवर्मन द्वितीय
स. राष्ट्रकूट राजा कृष्ण द्वितीय
द. इनमें से कोई नहीं

19. **धन विधेयकों का जिक्र संविधान के किस अनुच्छेद में है?**
अ. अनुच्छेद 110 ब. अनुच्छेद 111
स. अनुच्छेद 113 द. अनुच्छेद 115

20. **निम्नलिखित में कौन सा विषय 7वीं अनुसूची की समवर्ती सूची में है?**
अ.सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता
ब.वन स.स्टॉक एक्सचेंज द.कृषि

21. **तृतीय तमिल संगम का अध्यक्ष कौन था?**
अ. नक्कीरर ब. इलारा
स. चिंतामणि द. इनमें से कोई नहीं

22. **ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस के पहले अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की?**
अ. पुरषोत्तम दास टंडन
ब. लाल लाजपत राय
स. कस्तूरभाई लालभाई
द. कस्तूरभाई लालभाई

23. **किस अमेरिकी राष्ट्रपति ने गुलामी को संपूर्ण रूप से बंद कर दिया था?**
अ. गारफील्ड ब. केनेडी
स. अब्राहम लिंकन द. जॉनसन

24. **संयुक्त राष्ट्र संघ का चार्टर कहाँ स्वीकार किया गया था?**
अ. सेन फ्रांसिस्कों ब. याल्टा
स. पेरिस द. बर्न

25. **स्टिलवेल रोड भारत को किस पड़ोसी देश से जोड़ता है?**
अ. चीन ब. भूटान
स. बांग्लादेश द. पाकिस्तान

26. **कुम्भलगढ़ राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान के किस जिले में है?**
अ. राजसमंद ब. बीकानेर
स. भीलवाड़ा द. जैसलमेर

27. **भूगर्भिक रिफ्ट अथवा भ्रंश का कारण किस स्थलाकृति की रचना होती है?**
अ. रिफ्ट घाटी ब. तालुस
स. क्रीवास द. यारदुंग
अ. रिफ्ट घाटी

28. **समाज के गरीबो की मदद के लिए, सरकार उन्हें बफर स्टॉक से बाजार मूल्य से बहुत कम कीमत पर अनाज प्रदान करती है। इस कीमत को क्या कहा जाता है?**
अ. इशू मूल्य
ब. न्यूनतम समर्थन मूल्य
स. अधिकतम समर्थन मूल्य
द. इनमे से कोई नहीं

29. **सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम 2008 के बाद सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों (CJI सहित) की कुल संख्या क्या है?**
अ. 28 ब. 29 स. 30 द. 31

30. **संसदीय प्रणाली में निम्नलिखित में से कौन सा कार्यकारी जिम्मेदार है?**
अ. सीधे लोगों के लिए
ब. विधायिका के लिए
स. न्यायपालिका को
द. इनमें से कोई नहीं

31. **पोरुन्थल गांव में पहली शताब्दी ईस्वी पूर्व से दूसरी शताब्दी ईसवी तक के सीसे के मनके के कारखाने मिले हैं। ये गांव कहाँ है?**
अ. कर्नाटक ब. तमिलनाडु
स. आंध्रप्रदेश द. केरल

32. **सिंधु घाटी सभ्यता के किस स्थल से अग्निवेदिकाएँ प्राप्त हुई हैं?**
अ. मोहनजोदड़ो ब. लोथल
स. कालीबंगन द. लोथल

33. **अमौसी हवाईअड्डा किस राज्य में स्थित है?**
अ. केरल ब. तमिलनाडु
स. आंध्र प्रदेश द. उत्तर प्रदेश

34. **हमीम हमाम किस राजा के शाही स्कूल का मुख्य संचालक था?**
अ. अकबर ब. जहाँगीर
स. शाहजहाँ द. औरंगजेब

35. **विश्व की सबसे प्राचीन वर्णमाला के रूप में प्रसिद्ध मिश्री लोगों द्वारा आविष्कृत वर्णमाला में कितने अक्षर होते थे?**
अ. 34 ब. 14 स. 44 द. 24

36. **निम्नलिखित में से किस घटना के दौरान सूर्य और पृथ्वी के बीच दूरी सबसे अधिक होती है?**
अ. एफेलियन ब. परहेलीयन
स. ग्रीष्मकालीन उतरायण द. शीतकालीन उतरायण

37. **औगादौगु निम्नलिखित में से किस देश की राजधानी है?**
अ. बुर्किना फासो ब. माली
स. नाइजर द. बेनिन

उत्तर

1. अ. एक मिसाइल प्रणाली, **2. ब.** ग्वालियर, **3. स.** अभिनेता, **4. अ.** 24 दिसंबर, **5. ब.** हर्षवर्धन श्रृंगला, **6. अ.** राहुल अग्रवाल और भारती एस. प्रधान, **8. अ.** ग्वालियर, **9. अ.** चौधरी चरणसिंह, **10. द.** गोवा, **11. द.** मीराबाई चानु, **12. ब.** सिंधु घाटी सभ्यता, **13. ब.** 606 -647 ई., **14. ब.**1804, **15. स.**शुगर एक्ट, **16.द.**पेरिस, **17. ब.**2007, **18. अ.** राष्ट्रकूट राजा कृष्ण प्रथम, **19. अ.** अनुच्छेद 110, **20. ब.** वन, **21. अ.** नक्कीरर, **22. ब.** लाल लाजपत राय, **23. स.** अब्राहम लिंकन, **24. अ.** सेन फ्रांसिस्कों, **25. अ.** चीन, **26. अ.** राजसमंद, **27. अ.** रिफ्ट घाटी, **28. अ.** इशू मूल्य, **29. द.** 31, **30. ब.** विधायिका के लिए, **31. ब.** तमिलनाडु, **32. स.** कालीबंगन, **33. द.** उत्तर प्रदेश, **34. अ.** अकबर, **35. द.** 24, **36. अ.** एफेलियन, **37. अ.** बुर्किना फासो

Vikas Parakh-January-20.qxd 1/1/2020 9:41 AM Page 29

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव–2019

सांसद राहुल गांधी ने तीन दिवसीय राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का शुभारंभ किया। समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की। इस महोत्सव में 25 राज्यों, 3 केन्द्रशासित राज्यों और बांग्लादेश, युगांड़ा, मालदीप, बेलारूस, थाईलैण्ड तथा श्रीलंका के लगभग 18 सौ लोक कलाकार शामिल हुए। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में कलाकारों ने चार श्रेणीयों में अपने नृत्य का प्रदर्शन किया। इसमें पहले विवाह एवं अन्य संस्कार, दूसरा पारंम्परिक त्यौहार एवं अनुष्ठान, तीसरा फसल कटाई एवं कृषि तथा अन्य पारंम्परिक विधाएं शामिल रहीं। प्रत्येक श्रेणी के लिए प्रथम पुरस्कार के रूप में नृतक दल को पांच लाख रूपए की राशि, द्वितीय पुरस्कार के रूप में तीन लाख रूपए की राशि, तृतीय पुरस्कार में दो लाख रूपए और सांत्वना पुरस्कार के रूप में नर्तक दलों को 25–25 हजार रूपए के चेक प्रदान किए गए।

प्रतियोगिता के विजेता नृतक दल

विवाह एवं अन्य संस्कार श्रेणी

- **प्रथम पुरस्कार**– गौर माड़िया छत्तीसगढ़ श्री चंदन सिंह बघेल दल
- **द्वितीय पुरस्कार**– डमकच झारखंड के श्री किशोर नायक दल
- **तृत्तीय पुरस्कार (संयुक्त रूप से)**– विवाह नृत्य लद्दाख के श्री सोनम सोपेरी टीम एवं तमांग सेलो, सिक्किम सुश्री गायत्री राय की टीम को प्रदान किया गया। इस श्रेणी में सांत्वना पुरस्कार कयांग, हिमांचल श्री बृजलाल दल को दिया गया।

पारंम्परिक त्यौहार एवं अनुष्ठान

- **प्रथम पुरस्कार**– सिंगारी ओडिसा के श्री ध्यानानंद पेडा दल
- **द्वितीय पुरस्कार**– तारपा, महाराष्ट के श्री राजन वैद्य दल
- **तृतीय पुरस्कार (संयुक्त रूप से)**– छाऊ, झारखंड श्री प्रभात महतो दल एवं कोमकोया, आंध्रप्रदेश श्री मधु को तथा सांत्वना पुरस्कार सगोरिया, मध्यप्रदेश श्री गोविंद गहलोत को प्रदान किया गया।

फसल कटाई एवं कृषि

- **प्रथम पुरस्कार**– करमा तिहार, बिहार के श्री रणधीर दल
- **द्वितीय पुरस्कार**– झिंझी, उत्तर प्रदेश श्री बंटी राणा दल
- **तृतीय पुरस्कार (संयुक्त रूप से)**– ममीता, त्रिपुरा, श्री अशोक बर्मन टीम एवं टोडा, तमिलनाडु सुश्री असमामल्ली टीम तथा सांत्वना पुरस्कार लम्बाड़ी तेलंगाना श्री चंदू नायक दल को दिया गया।

अन्य पारंम्परिक विधाएं

- **प्रथम पुरस्कार**– बगड़वाल उत्तराखंड श्री प्रेम हिंदवाल
- **द्वितीय पुरस्कार**– गद्दीराम हिमांचल के श्री प्यारेलाल
- **तृतीय पुरस्कार (संयुक्त रूप से)**– राढवा गुजरात श्री राजेश राढवा और डाग गुजरात श्री पवन बादल तथा सांत्वना पुरस्कार इदु, अरूणाचल के टेशी मित्री को दिया गया।

विशेष डाक टिकट जारी

भारतीय डाक विभाग द्वारा राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव 2019 पर विशेष डाक टिकट जारी किया गया।

पारम्परिक उत्सवों का प्रदर्शन

तेलंगाना का लम्बाड़ी नृत्य –फसल कटने के उपरांत उल्लास के तौर पर किया जाता है। विशेष तौर पर हाथों के चूड़े, कसीदेदार लहंगे और सफेद कुर्तियां व सिर पर ओढ़नी मरूभूमि परम्परा की याद दिला दी।

राजस्थान का गौरी नृत्य– गुजरात का डांगी पुरूष नर्तकों के द्वारा कंधे पर सह नर्तकों को लेकर शारीरिक संतुलन के साथ नृत्य का प्रदर्शन किया गया, जिसे देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

अंडमान निकोबार का निकोबारी नृत्य– जनजाति के द्वारा नारियल के पत्तों से तैयार किए गए वस्त्राभूषण को पहनकर डांस किया जाता है। बताया गया कि यह उत्सव पर आधारित नृत्य है, जिसमें शामिल नर्तक वाद्ययंत्रों की धुन पर रातभर थिरकते हैं।

तमिलनाडु का नृत्य टोडा– यह नृत्य प्राय: पशुपालकों के द्वारा कथकुडू नामक पोशाक पहनकर किया जाता है। इसकी विशेषता यह है कि नर्तक सिर पर विशेष ढंग से सज्जित केशगुच्छ का उपयोग नृत्य के दौरान करते हैं।

उत्तराखण्ड का हारूल नृत्य– मांगलिक अवसरों पर आयोजन किया जाने वाला हारूल नृत्य वीर एवं श्रृंगार रस से ओतप्रोत रहता है, जिसे जौनसारी जनजाति के द्वारा किया जाता है। इसमें तुरही, मृदंग सहित करही वाद्य यंत्रों के साथ उपयोग किया जाता है। मुख्य नर्तक तीर–धनुष, ढाल लेकर थिरकते नजर आए, वहीं कुछ ने हाथों में थाल प्रस्तुति के अंत तक उसे घुमाते रहे।

श्रीलंका का 'शोर इन ड्रैगन' नृत्य– मूलत: उनके आराध्य देव कार्तिकेय (मुरूगन) की पौराणिक कथाओं पर आधारित था। वीर रस पर आधारित कदिरगमा नामक त्यौहार पर किए जाने वाले इस नृत्य में धार्मिक कथानक की प्रस्तुति दी गई।

युगाण्डा का कराकरा नृत्य– प्रेम प्रसंगों व विवाह नृत्यों में किया जाने वाला यह नृत्य कलाकारों के द्वारा मोहक ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसकी खासियत यह है कि इसमें वाद्य यंत्रों की काफी विविधता रही, जो कि प्राय: भारत में नहीं पाए जाते।

बेलारूस का लोक नृत्य 'लेवोनिखा'– 'लेवोनिखा' नृत्य प्रेम का प्रतीक है जो उत्सव, विवाह संस्कार में खुशी जाहिर करने के लिए किया जाता है। नृत्य प्रस्तुति के समय कलाकार एक विशेष कपड़ा हाथों में लिए रहते हैं। यह कपड़ा बेलेरूशियम लीनन से बनाया जाता है, जिसमें हाथ से कढ़ाई की जाती है। इसे विदाई के समय सुरक्षा और प्रेम

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में प्रस्तुति

असम–	बागरूंगा
तेलंगाना–	कोया नृत्य
झारखण्ड–	छाऊ नृत्य
ओड़िसा–	सिंगारी नृत्य
गुजरात–	सिद्दी नृत्य
राजस्थान–	सहरिया स्वांग
जम्मू–	गुजर नृत्य
हिमाचल प्रदेश–	घुरई नृत्य
लद्दाख–	लद्दाखी नृत्य
उत्तराखण्ड–	झांझी नृत्य
केरल–	तैयम नृत्य
महाराष्ट्र–	तड़पा नृत्य
तेलंगाना–	गुसाड़ी नृत्य
मध्यप्रदेश–	भगोरिया नृत्य
अरूणाचल प्रदेश–	रेह नृत्य
आंध्रप्रदेश–	लम्बाड़ी नृत्य
उत्तरप्रदेश–	गरद नृत्य
गुजरात–	वसावा नृत्य
आंध्रप्रदेश–	ढिमसा नृत्य
त्रिपुरा–	ममिता नृत्य
झारखण्ड–	पायका नृत्य
तमिलनाडु–	टोडा नृत्य
आरूणाचल प्रदेश–	आदि नृत्य
राजस्थान–	गवरी नृत्य
छत्तीसगढ़–	हुल्की नृत्य
गुजरात–	राठवा नृत्य
हिमांचल प्रदेश–	किन्नौरा नृत्य
पश्चिम बंगाल–	संथाली नृत्य
ओड़िसा–	दुरवा नृत्य
बिहार–	करमा नृत्य
अण्डमान निकोबार–	निकोबारी नृत्य
तेलंगाना–	माथुरी नृत्य
त्रिपुरा–	होजागिरी नृत्य
उत्तराखण्ड–	हारूल नृत्य
मणिपुर–	थांगकुल नृत्य
छग जगदलपुर –	दंडामि माड़िया नृत्य
उत्तराखण्ड –	लाष्पा नृत्य
जम्मू–	बकरवाल नृत्य
मध्यप्रदेश–	भड़म नृत्य
हिमाचल प्रदेश–	गद्दी नृत्य
कर्नाटक और सिक्किम–	नृत्य,
झारखण्ड–	दमकच नृत्य,
छग दंतेवाड़ा–	दंडामी
उत्तरखण्ड–	मुखौटा नृत्य
केरल–	मरायूराट्टम नृत्य
त्रिपुरा–	संगराई नृत्य
मध्यप्रदेश–	करमा नृत्य
छग कोण्डागांव–	गौर मार नृत्य

Vikas Parakh-January-20.qxd 1/1/2020 9:41 AM Page 30

के प्रतीक स्वरूप प्रियजनों को दिया जाता है। कपड़े में लाल रंग से गोलाई लिए आकृतियां बनाई जाती है। इसमें गोल आकृति जीवन चक्र और लाल रंग सुरक्षा का प्रतीक होता है।

हिमाचल प्रदेश की कायंग शैली नृत्य- युवक और युवतियों ने गीत और संगीत के माध्यम से भावपूर्ण प्रस्तुति दी, उनके परिधान आकर्षक और चटकदार थे।

मध्यप्रदेश का शैला, भड़म और कर्मा लहकी नृत्य - मांदर और मंजीरे की थाप में भड़म नृत्य मनमोह लिया। वहीं लहकी कर्मा ने राज्य की कर्मा शैली की यादें ताजा कर दी।

आंध्रप्रदेश का सौरा नृत्य -फसल कटाई के समय गाने वाले सौरा नृत्य शैली आंध्रप्रदेश की मिट्टी और संस्कृति की महक बिखेर दी।

छत्तीसगढ़ बस्तर का गौर माड़िया नृत्य -मांदर और ढोल की थाप पर युवतियां थिरक रही थी। युवक सिर में गौर सींग और मोरपंख की कलगी लगाकर झूम रहे थे, तो युवतियां तीरूथ लेकर कदम से कदम मिलाकर साथ दे रही थी।

ओडिसा के कालाहांडी का सिंगारी नृत्य- गुजरात का राठवा नृत्य -रंग बिरंगे परिधानों में सजकर किया जाने वाला एक जनजातीय नृत्य है।

उत्तराखण्ड का बघरवाल नृत्य- सैन्य पराक्रम पर आधारित पुरूष कलाकारों ने हाथों में तलवार और ढाल लेकर विशेष अंदाज में शारीरिक भाव-भंगिमा का प्रदर्शन किया, वहीं महिलाएं आकर्षक पारम्परिक परिधानों के साथ नृत्य करती नजर आईं। इस नृत्य के माध्यम से शिव आराधना को भी दर्शाया गया।

केरल का मरायुराट्टम नृत्य- इस नृत्य में छत्तीसगढ़ के जवांरा की भांति कलाकार झूपते नजर आए। महिला नर्तक खुले केश के साथ हाथों में लम्बी छड़ी लिए हुए एक ताल में नाचती रहीं। वहीं छड़ी को अलग-अलग अंदाज में घुमाकर नृत्यांगनाएं नाचती नजर आईं।

उत्तरप्रदेश का हन्ना नृत्य- इसमें शामिल महिलाएं कमर के निचले हिस्से में लाचा तथा सिर पर दुपट्टा लिए हुए नृत्य कर रही थी, वहीं पुरूष नर्तकों ने सफेद कुर्ता और सफेद टोपी पहनकर टहनीनुमा लकड़ी में रंग-बिरंगे कपड़ों के टुकड़े बांधकर हास्य मुद्रा में नृत्य किया।

झारखण्ड के हो एवं संथाली जनजाति द्वारा विवाह के रस्मों-रिवाजों को नृत्य की भाव मुद्रा के माध्यम से प्रदर्शित किया। इस नृत्य की खासियत है कि वर के घर वधू पक्ष बारात लेकर जाता है, जिसमें वाद्य यंत्रों का प्रयोग मंत्रोच्चार के समान माना जाता है। यह नृत्य छत्तीसगढ़ की उरांव जनजाति के सरहुल नृत्य के समान प्रतीत हुआ।

उत्तरप्रदेश का गरद नृत्य- वाराणसी और सोनभद्र के गोंड़ जनजाति के कलाकारों ने वीरता और उत्साह पर आधारित, युवक शारीरिक कौशल और करतब के माध्यम से युवतियों को आकर्षित करने के लिए युद्ध कला का प्रदर्शन करते हैं। इसमें प्रयुक्त होने वाले वाद्य यंत्र छत्तीसगढ़ के गाड़ा बाजा के समान थे, जिसमें गुदूम, मोहरी और ताशा, झांझ की ताल पर नर्तक झूमते नजर आए।

छत्तीसगढ़ का गौर नृत्य- माड़िया जनजाति के द्वारा विभिन्न उत्सवों में किया जाने वाला गौर नृत्य का पारंपरिक लोक वाद्य यंत्र तुरही व मांदर की थाप पर गोंडी गीत में थिरकते हुए कलाकारों ने सम्मोहक प्रस्तुति दी। पुरूष नर्तक मोर की कलगी, कौड़ियों से लकदक बायसन की सींग से बने मुकुट पहने हुए तथा महिलाएं हाथों में घुंघरूयुक्त छड़ी के साथ एक ताल में थिरकीं। इस नृत्य की खासियत यह है कि लय-परिवर्तन के साथ ही नर्तक अपने नृत्य की गति में

भी बदलाव लाते हैं।

बस्तर के कोंडागांव का गौर मांदरी नृत्य - युवा नर्तकों ने गौर का अपने पारम्परिक शस्त्र तीर-धनुष से शिकार करते हुए नृत्य करते रहे।

आंध्रप्रदेश के तासे की थाप पर डब्बु नृत्य- नर्तक धिमसा नृत्य की विशिष्ट शैली में रंग-बिरंगे पारम्परिक वेशभूषा में थिरकते रहे।

अरूणाचल प्रदेश के इन्दू समुदाय का रेह नृत्य-यह नृत्य पूर्वजों एवं देवताओं के आव्हान स्वरूप पारम्परिक अनुष्ठान बंधुत्व को बचाये रखने के लिए किया जाता है, जिसे स्थानीय भाषा में रेह केनेहा उत्सव के नाम से जाना जाता है।

कर्नाटक की सुगली नृत्य- यायावरी जीवन व्यतीत करने वाले आदिवासियों के द्वारा सुगली नृत्य प्रस्तुत किया गया। यह नृत्य राजस्थानी संस्कृति एवं वेशभूषा से काफी मिलता-जुलता है।

मध्यप्रदेश के भील जनजाति का भगोरिया नृत्य-इस नृत्य में युवक-युवतियां फूलों से सुसज्जित डंडे हाथ मे लेकर मनमोहक नजारा प्रस्तुत किया।

महाराष्ट्र का प्रसिद्ध तड़पा नृत्य- वारली जनजाति द्वारा किये जाने वाला एक खास नृत्य है, ताड़ के पेड़ से बने वाद्य यंत्र आकर्षण का केंद्र रहा।

राजस्थान के कालबेलिया जनजाति समूह द्वारा संगीत के साथ घुम्मर शैली में इस नृत्य का गजब का सयोजन दिखाई दिया।

केरल राज्य की तैय्यम नृत्य- अपनी अद्भुत वेशभूषा और नृत्य के लिए दर्शकों के मन मे गहरी छाप छोड़ी। यह नृत्य देवी देवताओं के पूजा अर्चना के अवसर पर जनजातीय समूह द्वारा किया जाता है। वाद्य यंत्रों की थाप पर देवालय में की गयी पूजा अर्चना और अनुष्ठान का यह दृश्य भाव विभोर कर दिया।

सिक्किम का तमांग शेला नृत्य- इसे दांबु नाच भी कहा जाता है। रोमांस का यह संगीतमय प्रस्तुति युवाओं में आकर्षण का केंद्र रहा।

उत्तराखंड के भोटिया जनजाति का मुखौटा नृत्य- यह नृत्य फसल कटाई के बाद महिला और पुरुषों द्वारा सामुहिक रूप से किया जाने वाला नृत्य है। इसमें नृत्य के माध्यम से अपने पूर्वजों को आमंत्रित किया जाता है।

महाराष्ट्र के विदर्भ का रेला नृत्य- गोंड व प्रधान जनजाति द्वारा वैवाहिक अवसरों पर किया जाने वाला नृत्य है।

झारखण्ड का छाऊ नृत्य- राज्य के कलाकारों ने रंगबिरंगे परिधानों में मुखौटे लगाकर इस नृत्य विद्या में मार्शल आर्ट और करतब के माध्यम से रामायण और पुराणों की कथाओं को प्रस्तुत किया जाता है। झारखण्ड के सारेकला जिले से आए छाऊ नृत्य के कलाकार श्री घासीराम महतो ने बताया कि उन्होंने अधर्म पर धर्म की जीत के कथानक पर आधारित महिषासुर मर्दन का प्रदर्शन किया।

तेलंगाना राज्य का कोया नृत्य- तेलंगाना में जनजाति कुमुख कोया द्वारा मुख्य रूप से कोया नृत्य किया जाता है। यह नृत्य विवाह, धार्मिक अनुष्ठान, मेला मड़ई में किया जाता है। कोया नृत्य में छत्तीसगढ़ के दंडामी माड़िया के गौर नृत्य के समान युवक गौर के सींग और मोरपंख पहनकर मांदर लिए होते हैं और युवतियां पीतल के मुकुट और घुघरूदार छड़ी लेकर नृत्य करती हैं।

असम का बागरूंगा नृत्य- असम में कई जनजाति समूह हैं, जिनमें बोडो सबसे बड़ा जनजाति समूह है। यह नृत्य पारंपरिक कृषि पर आधारित है जो त्यौहारों पर महिलाओं द्वारा किया जाता हैं। इसमें खनाई, अरूनाई, जवामागरा, ढोई वाद्य यंत्रों का प्रयोग किया जाता है। नदी की धारा, वायु के प्रदर्शन से बोडो जनजाति का प्रकृति प्रेम इस नृत्य में मुखरित होता है। नृत्य के माध्यम से यह जनजाति अपने उल्लास और उत्साह को प्रदर्शित करते हुए प्रकृति के प्रति कृतज्ञता दर्शाती है।

उड़ीसा का दुर्वा नृत्य -जनजाति बहुल कोरापुट के दुर्वा जनजाति निवास करती है जो मूलत: कृषि कार्य करते हैं। इसमें बिटली, दन्डार, बनकुल, पलानी, बंशी, ढोल, सिंगा, तुड़ीमुड़ी जैसे वाद्य यंत्रों का प्रयोग किया जाता है। इस नृत्य विद्या में पुरूषों द्वारा पारंपरिक आभूषण पहनकर तीर, टंगिया, तूती जैसे अस्त्र लेकर नृत्य किया जाता है। स्त्रियां घुंघुर, पैरी, झापी, बहूटी, सिंघा माला, मंजूर माला आभूषण पहनती हैं। यह नृत्य दीवाली, दशहरा, चैत पर्व, नुआखाई जैसे सभी त्यौहारों सहित विवाह के अवसरों पर किया जाता है। नृत्य के माध्यम से आदिवासी जनजाति द्वारा ईश्वर और पूर्वजों से अच्छे स्वास्थ्य, अच्छी फसल और वर्षा की कामना की जाती है।

गुजरात का सिद्दी दमाल नृत्य- सिद्दी पूर्वी आफ्रिका की मूल जनजाती है, जो गुजरात, कर्नाटक और गोवा में बस गई है। इस जनजाति द्वारा सिद्दी गोमा और सिद्दी दमाल नृत्य किये जाते हैं। ये बाबा गौर की आराधना में नृत्य करते हैं। यह आदिवासी नृत्य पुरूष कलाकारों द्वारा किया जाता है जो चेहरों में रंगीन आकृतियां बनाएं रहते हैं। कलाकार मोर पंख और कौड़ी के आभूषण पहनते हैं।

कर्नाटक का सामूहिक कोलाट नृत्य -पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे इन लोक कलाकारोंके वनांचल क्षेत्रों में फसल कटाई के समय गाया जाने वाला, लोकभाषा में गायन और संगीत ने कोलाट नृत्य में नया रंग भर दिया। कोलाट नृत्य की प्रस्तुति गुजरात की डांडिया नृत्य के समान थी।

आंध्रप्रदेश का कोमकोया नृत्य - मांदर की थाप पर किया गया पुरूषों और महिलाओं द्वारा यह नृत्य वैवाहिक संस्कार और रीति-रिवाजों पर आधारित था। परम्परागत रंग-बिरंगे वस्त्रों में सजे लोक कलाकारों ने बायसन हार्न पहनकर किया जाता है।